Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to provide Pension and Health Services to senior Citizen as recommended by Koshari Committee.

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे (हातकणंगले): सभापति महोदया, मैं आपका तहेदिल से शुक्रिया करना चाहूंगा कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने के लिए मौका दिया । मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । इस देश में सरकार हमेशा कहती रहती है कि यह संवेदनशील सरकार है । सर्वसमर्पित सरकार है और उनका सबको साथ लेकर चलने में विश्वास है । इसी देश में ऐसे भी सीनियर सिटीजन्स हैं, जिनकी आज उपेक्षा हो रही है । वे कड़ाके की ठंड में खुद की पेंशन के लिए आंदोलन कर रहे हैं । ईपीसी 95 पेंशन योजना लागू की गई थी, उसके लिए 67 लाख पेंशनर्स प्रतीक्षा में बैठे हुए हैं । चाहे कड़ाके की ठंड हो, धूप हो या बारिश हो, वे अपने हक के पैसे के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं । पहले एक हजार रुपये की पेंशन दी जाती थी । उसको बढ़ाकर 3 हजार रुपये किया गया और उनको कहा गया कि आप तीन हजार में अपना घर चलाओ और अपने बच्चों का ख्याल रखो । आज ऐसी स्थिति हो गई है कि बहुत से लोगों ने पेंशन की राह देखते-देखते अपने प्राण त्याग दिए, लेकिन उनको न्याय नहीं मिला । मैं सरकार से आपके माध्यम से मांग करना चाहूंगा और अगर यह संवेदनशील सरकार है, अपना प्रमाण देना चाहती है तो निश्चित रूप से जो 67 लाख पेंशनर्स काम कर रहे हैं, जिन्होंने सरकार को बल प्रदान किया है, सरकारी योजनाओं में काम किया है, उनकी पेंशन बढ़ाई जाएगी । 'कोश्यारी कमेटी' की एक रिपोर्ट भी आ गई है, सुप्रीम कोर्ट ने भी जजमेंट दिया है कि उनके लिए 9 हजार रुपये की पेंशन लागू की जाए और उनकी हेल्थ सर्विसेज की योजनाओं में भी काम किया जाए । उनको आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए सरकार की तरफ से सहायता दी जानी चाहिए । मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि 'कोश्यारी समिति' की रिपोर्ट के हिसाब से यह योजना लागू की जाए ।